नारीलोक
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
अक्टूबर 2023 अंक 303

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

काफी वर्षों से 'कन्यादान' शब्द मन को कचोट रहा था। यथार्थ के धरातल पर यह बात कुछ हजम नहीं हो रही थी कि कन्या का दान कैसे किया जा सकता है? इन वर्षों में काफी चर्चाएं भी हुई और कुछ लेखों को पढ़ने का अवसर भी प्राप्त हुआ। लेकिन मन को विक्षोभ करने वाले विषय का कहीं निवारण नजर नहीं आया।

कुछ दिनों पूर्व भाषण प्रतियोगिता एवं काव्यशाला हेतु यही विषय दिया गया था – कन्यादान... आखिर क्यों? इन प्रतियोगिता एवं काव्यशाला से अनेकों बहनों, बेटियों और कुछ भाईयों के विचारों को जाना और समझने का प्रयास किया। ऐसा प्रतीत हुआ जैसे यह विषय generation gap को दर्शाता है। Generation gap दो अलग–अलग पीढ़ियों के लोगों के विचारों, विश्वासों और कार्यों में अन्तर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। आप सभी से प्राप्त विचार सुनकर या पढ़कर स्पष्ट रूप से लगा कि जहां एक पीढ़ी कन्यादान की पद्धति से संतुष्ट है, वहीं आज की युवा पीढ़ी ने इस पर अपनी अस्वीकृति की मोहर लगाई।

कईयों ने अपनी भावनाओं को समेटते हुए लिखा कि जहां मनुष्य के किसी अंग का दान करने के लिए अनेकों formatlities होती है, वहीं एक जीते–जागते, संवेदनशील, बौद्धिकता से परिपूर्ण मनुष्य का दान कैसे हो सकता है? उन्होंने तथ्य दिया कि हमारी मान्यताओं में जहां एकेन्द्रिय के दान को भी स्वीकार नहीं किया जाता, वहां एक लड़की का दान कैसे स्वीकार्य है?

हमारी बेटियों और युवती बहनों के विचारों में मुझे एक दर्द नजर आया, एक पीड़ा नजर आई। उन्हें पद्धति नहीं, शब्द से आपत्ति है। क्योंकि शब्द ही सर्वप्रथम मस्तिष्क में पनपते विचारों की जननी होते हैं। आज अध्यक्षीय लिखते–लिखते विख्यात लेखक, भारतीय रंगमंच के प्रमुख नाटककार श्री विजय तेन्दुलकर द्वारा लिखित नाटक 'कन्यादान' की स्मृति हो आई जो कुछ वर्षों पूर्व मैंने पढ़ी थी। इस नाटक में भारतीय समाज की महिलाओं की दयनीय दुर्दशा और सामाजिक परिवर्तन के आदर्शवाद से यथार्थवाद तक की यात्रा पर प्रकाश डाला गया। बहुत ही कुशलतापूर्व इन विषयों को नाटक के ताने–बाने में पिरोया और भारतीय समाज पर एक विचारोत्तेजक टिप्पणी प्रदान की। वास्तव में प्रतीत हुआ जैसे लेखक ने पात्रों के माध्यम से समाज में व्याप्त एवं गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्ता, स्त्री–द्वेष, जातिगत भेदभाव आदि को उजागर किया। इस नाटक को सामाजिक मुद्दों की शक्तिशाली खोज भी कहा जा सकता है। इस नाटिका ने लोगों की संवेदनाओं को झकझोरा और परिवर्तन का दौर प्रारम्भ हुआ।

परन्तु आज भी जब कुछ लोगों या माता–पिता के विचारों से लगता कि कन्यादान आत्मसंतुष्टि देता और सुखदानुभूति प्रदान करता है या इसे पुण्य का कारक माना जाता है तो हृदय द्रवित हो उठता है। विडम्बना है कि स्वयं की पुत्री का दान पुण्य का कारक कैसे बन सकता है? कुछ मान्यताएं जो हमारे मनुष्य होने के अधिकार का हनन करती हो, उसे भी हमने कितनी सहजता से स्वीकार कर लिया।

बहनों, कई बार युगीन तथ्यों पर भाषण अथवा लेख उस युग की अवधारणा को दर्शाते हैं। युग की मांग, युग के विचारों को हम तक पहुंचाते हैं। जरूरत है हमारी सोच को खंगालने की, मौलिक चिन्तन प्रस्तुत करने की।

कन्यादान जैसे संवेदनशील शब्द को पद्धति के नामकरण से हटाया जाना चाहिए क्योंकि :–

* कन्या वस्तु नहीं है जिसे दान में दिया जा सके।
* किसी के पास अन्य के पूर्ण स्वामित्व का अधिकार नहीं होता कि उसे दानस्वरूप दे दिया जाए।
* विवाह संस्कार में वर यह कभी नहीं कहता कि वह पत्नी को दान स्वरूप स्वीकार करता है।
* दान में मिली पत्नी गृहस्वामिनी हो सकती है क्या?
* किसी ने कन्यादान का अर्थ आदान बताया तो क्या गौदान का अर्थ भी वही है?
* नारी भी इन्सान ही है और इसी दर्जे की हकदार भी है।

कन्या – दान की नहीं अभिमान और सम्मान की हकदार है। इस रीति या रस्म के बारे में सोचिएगा जरूर!

शुभम् अस्तु...

स्नेहाकांक्षी
नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

"अच्छा आदमी बनने के लिए हम दुर्वृत्तितयों को छोड़कर सद्प्रवृत्तियों की ओर अग्रसर हों व अच्छी मंजिल को प्राप्त करें। धर्म व सम्प्रदाय एक हैं और अलग भी। धर्म का मूल तो एक ही है, पर साधना व उपासना प्रणालियाँ अलग हो सकती है । सच्चाई, संयम, शांति व निरभिमानता सबके लिए मान्य है व सब इसके पक्षधर है। अनेकता में भी एकता रहे। आप किसी भी धर्म को मानें, अच्छे आदमी बनें व नशा, हिंसा व वैमनस्य आदि से बचें।"

खमतखामणा

आत्म-शुद्धि का पर्व सम्वत्सरी, प्रांजल, परम, पुनीता ।
बहे हृदय से क्षमा भाव की, स्नेहिल शब्द संहिता ।।
मन उपवन से एक एक चुन सारे शूल हटा दें।
सुरभित फूल खिलें मैत्री के, मन-मालिन्य मिटा दें ।।
प्रियवर! आप सभी से खमत-खामणा करबद्ध करती ।
रखें दिलों को नम, सद्-भावी रस बूंदें झरती ।।

गत माह पर्युषण एवं सम्वत्सरी के पावन पर्व पर हम सबने आत्मोत्थान हेतु विविध निरवद्य प्रवृत्तियों को अपनाने का प्रयास किया और इसी के साथ क्षमा के महान पर्व पर सबसे खमतखामणा भी किए। बहनों! इस सफर में हर माह आप सबसे नारीलोक के माध्यम से रूबरू होती हूं, यात्राओं के दौरान आपसे मुलाकात होती है अथवा दूरसंचार या व्हा्टसएप्प पर भी हमारी परिचर्चा होती रहती है। जाने–अनजाने, चाहे–अनचाहे, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में कोई कटु वचन कहें हो या आपके मन को ठेस लगी हो, आपके फोन उठाने में, जवाब देने में प्रमाद किया हो तो आप बसे सहृदय बारम्बार खमतखामणा।

आपकी अपनी
नीलम सेठिया

शृंखलाबद्ध मौन

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

अगस्त-सितम्बर में शृंखलाबद्ध मौन

26 अगस्त – हुब्बल्ली	5	04 सितम्बर – टिटलागढ़	3	14 सितम्बर – चिकमगलूर	1	19 सितम्बर – फारबिसगंज	2
27 अगस्त – गंगावती	1	04 सितम्बर – सवाई माधोपुर	9	14 सितम्बर – कांटाबांजी	6	19 सितम्बर – केजीएफ	4
28 अगस्त – मैसुरु	4	05 सितम्बर – नबरंगपुर	3	15 सितम्बर – विजयनगर	41	20 सितम्बर – कटिहार	2
29 अगस्त – हिरियूर	3	05 सितम्बर – गंगापुर	7	15 सितम्बर – कटक	34	20 सितम्बर – बिलाड़ा	2
30 अगस्त – गदग	6	06 सितम्बर – टी.दासरहल्ली	2	15 सितम्बर – दार्जिलिंग	4	21 सितम्बर – किशनगंज	16
31 अगस्त – सौंदत्ती	3	06 सितम्बर – सैंथला	4	15 सितम्बर – हैदराबाद	90	22 सितम्बर – चास बोकारो	3
01 सितम्बर – आर.आर.नगर	18	07 सितम्बर – राजाजीनगर	15	15 सितम्बर – लाडनूं	25	23 सितम्बर – पटना सिटी	2
01 सितम्बर – राउरकेला	15	07 सितम्बर – सिंधिकेला	3	15 सितम्बर – तिरुवन्नामलै	1	24 सितम्बर – देवगढ़	10
01 सितम्बर – मोमासर	7	08 सितम्बर – बेलपाड़ा	1	15 सितम्बर – केजीएफ	4	25 सितम्बर – केलवा	10
01 सितम्बर – बागोमुंडा	1	09 सितम्बर – केसिंगा	1	15 सितम्बर – बीकानेर	23	26 सितम्बर – राजनगर	18
02 सितम्बर – भुवनेश्वर	23	09 सितम्बर – रतनगढ़	1	15 सितम्बर – गुलाबबाग	22	27 सितम्बर – नाथद्वारा	5
02 सितम्बर – चित्रदुर्गा	4	10 सितम्बर – भवानीपटना	1	15 सितम्बर – बेलडांगा	4	28 सितम्बर – रेलमगरा	2
02 सितम्बर – वलसाड	15	11 सितम्बर – बालेश्वर	3	16 सितम्बर – जमशेदपुर	2	29 सितम्बर – उदयपुर	45
03 सितम्बर – रामपुर	2	12 सितम्बर – जूनागढ़	1	17 सितम्बर – रांची	2	30 सितम्बर – पहुना	4
04 सितम्बर – मंड्या	1	13 सितम्बर – राजगंगपुर	1	18 सितम्बर – अररिया कोर्ट	16		

वात्सल्य पीठ के शिलान्यास कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति

शासन माता साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी की अन्त्येष्टि स्थली 'वात्सल्य पीठ' समाधि का शिलान्यास कार्यक्रम दि. 27.8.2023 को महरौली दिल्ली में परिसम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया सहित चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संरक्षिका श्रीमती सुशीला पटावरी, संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, रा.का.स. श्रीमती मंजु भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी एवं रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद ने गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई।

शिलान्यास के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत थे। कार्यक्रम में अभातेममं के पदाधिकारियों सहित उपस्थित रा.का.स. सदस्यों ने शिलान्यास की प्रकिया में सहभागिता दर्ज की। शिलान्यास के पूर्व एक घण्टे तक श्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा प्रदत्त 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं शासनमात्रे नमः' का जप साध्वीश्री डॉ. कुन्दनरेखाजी द्वारा करवाया गया जिसमें सकल समाज ने उपस्थिति दर्ज करवाते हुए श्रद्धापूर्वक जप किया।

तत्पश्चात् मंचीय कार्यक्रम में श्री मोहन भागवत एवं राज्य सभा सांसद श्री लहरसिंह सिरोया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न सभा–संस्थाओं के विशिष्ट पदाधिकारीगण ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में शासन माता के समर्पण, भक्ति, ऋजुता, आदि गुणों को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनकी अन्त्येष्टि स्थल को वात्सल्य पीठ के नामकरण पर गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

शिलान्यास के पूर्व सन्ध्या पर आयोजित 'काव्य गोष्ठी' में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने शासन माता द्वारा विरचित गीतों का काव्य पाठ किया।

चरमोत्सव आराधना

आचार्य भिक्षु के 221वें चरमोत्सव पर अभातेममं द्वारा Revival घो.चि.पू.लि को पूर्णता की ओर ले जाते हुए 'भिक्षु म्हारै प्रगट्या जी' ढाल का संगान देश भर में करवाया।

इससे पूर्व Revival घो.चि.पू.लि के दो संस्करण आशातीत सफल रहे एवं इसी की कड़ी में इस ढाल का जाप दि. 27 सितम्बर 2023 को प्रातः 7 बजे से सायं 7 बजे किया गया। देश के प्रत्येक राज्य में विभिन्न निर्धारित एक घण्टे के समय में इस ढाल की आराधना की गई।

विभिन्न क्षेत्रों में विराजित चारित्रात्माओं की सन्निधि में यह आराधना आयोजित की गई एवं उनकी प्रेरणा से यह आराधना सुचारु रूप से हुई, तदर्थ समस्त चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता। सम्पूर्ण भारत और नेपाल के 288 क्षेत्रों के कुल 17896 श्रावक–श्राविकाओं ने संभागी बन अपने आराध्य को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु स्तुति की।

इस कार्यक्रम की संयोजिका संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी के अथक श्रम को साधुवाद। साथ ही क्षेत्रीय प्रभारियों द्वारा किए गए श्रम से यह चरमोत्सव आराधना सफलतम रही।

आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर

सत्र 2021–2023 के कार्यकाल में अधोलिखित क्षेत्रों द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर प्रारम्भ किए गए :–

- इस्लामपुर
- सूरत
- जयपुर सी–स्कीम (2)
- सेलम
- सिलीगुड़ी
- बेहाला, कोलकाता
- गुरुग्राम
- काठमांडू
- राजाजीनगर, बेंगलुरु
- फारबिसगंज
- बालोतरा
- अहमदाबाद
- इचलकरंजी
- फरीदाबाद

समस्त क्षेत्रों को साधुवाद।

अब तक संचालित समस्त फिजियोथेरेपी सेन्टर के क्षेत्रों के नव–नेतृत्व से अनुरोध है कि फिजियोथेरेपी सेन्टर की नियमित सार–सम्भाल करते रहें और इनके सम्पूर्ण विवरण फिजियोथेरेपी के व्हाट्सएप्प ग्रुप में सम्प्रेषित करते रहें। फिजियोथेरेपी सेन्टर का मासिक योगक्षेम करते रहें जिससे स्थाई गतिविधियों को सुदृढ़ता मिले।

अधिक जानकारी हेतु फिजियोथेरेपी प्रभारी के संपर्क में रहें।

दिल्ली में परिसीमित शाखाओं के साथ राष्ट्रीय टीम की बैठक

दि. 27.8.2023 को दिल्ली में महिला मंडल के परिसीमन पश्चात् परिसीमित पांचों शाखाओं की संयुक्त बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस अवसर पर चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, रा.का.स. श्रीमती मंजु भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी एवं रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद ने गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई।

उक्त बैठक में दक्षिण दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती शिल्पा बैद, पश्चिम दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती रीटा चोरड़िया, मध्य दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती दीपिका छल्लाणी, उत्तर दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती मधु जैन एवं पूर्वी दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती सरोज सिपानी अपने पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों सहित उपस्थित थे।

पांचों शाखा मंडल के सदस्यों के आपसी परिचय पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वागत–अभिनन्दन करते हुए पांचों शाखा मंडल को मान्यता पत्र प्रदान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा नवगठित शाखाओं के पदाधिकारियों को संस्था की रीति–नीति, संविधान और कार्यप्रणाली से अवगत करवाया। चीफ ट्रस्टी एवं महामंत्री ने नवगठित शाखाओं को बधाई संप्रेषित की। काफी सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित इस संगोष्ठी में पांचों अध्यक्ष सहित समस्त कार्यसमिति सदस्यों ने संस्था को सुचारु रूप से गति देने के भाव प्रदर्शित किए।

2021–2023 की दिल्ली महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन एवं मंत्री श्रीमती यशा बोथरा को राष्ट्रीय टीम द्वारा बधाई प्रेषित करते हुए अभिनन्दन किया गया। उन्हें परिसीमन की प्रक्रिया को सुगमता से सम्पन्न करने हेतु साधुवाद प्रेषित किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष माननीय श्रीमती रेखा शर्मा से शिष्टाचार भेंट

अभातेमम‍ं की चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष माननीय श्रीमती रेखा शर्मा से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंटवार्ता की। इस भेंटवार्ता में पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी भी उपस्थित थे।

श्रीमती सुमन नाहटा ने अभातेमम‍ं की समस्त गतिविधियों की जानकारी प्रेषित की, जिसकी श्रीमती रेखा शर्मा ने भूरि–भूरि प्रशंसा की। आचार्य श्री महाश्रमणजी की अणुव्रत यात्रा की भी पूर्ण जानकारी दी गई। श्रीमती रेखा शर्मा को शासन माता के जीवन पर आधारित 'अमृतम' ग्रन्थ भेंट किया गया। इस भेंट आयोजना में श्रीमती सुमन नाहटा का श्रम सार्थक रहा। ध्यातव्य है कि 48वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में श्रीमती रेखा शर्मा को इस वर्ष के 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार' से पुरस्कृत किया जाएगा।

कन्या सुरक्षा सर्कल/स्तम्भ

कन्या सुरक्षा योजना

सत्र 2021–2023 के कार्यकाल में अधोलिखित क्षेत्रों द्वारा कन्या सुरक्षा सर्कल/स्तम्भ का नव–निर्माण किया गया :–

* सायरा	* सेमड़	* रायपुर	* मुंबई (2)	* छापर	* नोएडा	* बिराटनगर
* लूनकरणसर	* इस्लामपुर	* काठमांडू	* आर.आर.नगर	* अहमदाबाद	* बाली–बेलुड़	* गुवाहाटी
* जसोल	* लाडनूं	* लिलुआ	* पचपदरा	* पटना	* राजनगर	* उत्तर हावड़ा (2)
* सिलीगुड़ी	* साउथ हावड़ा	* टी.दासरहल्ली	* विजयनगरम्	* पूर्वांचल कोलकाता		

समस्त क्षेत्रों को साधुवाद। इस वर्ष कन्या सुरक्षा सर्कल का योगक्षेम भी करवाया गया और काफी क्षेत्रों ने इस सर्कल के रखरखाव में सार्थक योगदान दिया। अब तक निर्मित समस्त कन्या सुरक्षा सर्कल के क्षेत्रों के नव–नेतृत्व से अनुरोध है कि कन्या सुरक्षा सर्कल की नियमित सार–सम्भाल और योगक्षेम करते रहें, जिससे कन्या सुरक्षा के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने की सार्थकता हो सके।

अधिक जानकारी हेतु कन्या सुरक्षा योजना के प्रभारी के संपर्क में रहें।

The Power
of Reading

पढ़ना एक ऐसी आदत है जो हमें एक बेहतर इंसान बना सकती है। पढ़ने से हमें ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। बहुत से महान लोगों द्वारा अच्छे और सफल जीवन के लिए पढ़ने की सलाह दी जाती है। पढ़ने से हमारे दिमाग में कल्पनाएं और विचार उजागर होते हैं जो हमें आगे बढ़ने के लिए एवं सही फैसले लेने में मदद करते हैं। पढ़ने से ज्ञान में वृद्धि होती है और जीवन में मार्ग प्रशस्त होता है। नितनियम से पढ़ने के अनेक लाभ हैं।

पढ़ने के आवश्यक घटक

- ध्वन्यात्मक जागरूकता Phonemic Awareness
- ध्वन्यात्मकता Phonics
- प्रवाह Fluency
- शब्दावली Vocabulary
- समझ Comprehension

Reading के फायदे

- स्मरण शक्ति और एकाग्रता में सुधार होता है
- तनाव और चिंता का स्तर कम होता है
- नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है
- स्वयं एवं आसपास के लोगों को बेहतर समझ सकते हैं
- जीवन को नया दृष्टिकोण प्राप्त होता है
- लेखन कौशल में सुधार होता है
- शब्दावली में वृद्धि होती है
- सकारात्मकता को बढ़ावा मिलता है

Reading में दिलचस्पी कैसे बढ़ाएं

- सोचें कि आप क्यों पढ़ना चाहते हैं
- ऐसी पुस्तकें लें जिसे पढ़कर आप उत्साहित होंगे

3. जिस पुस्तक को पढ़कर आप आनन्दित न हों, उसे खत्म करने के लिए स्वयं को मजबूर न करें
4. ऑडियोबुक्स सुनें
5. सदैव सिरहाने एक किताब रखें
6. प्रतिदिन लक्षित पन्ने पढ़ने पर स्वयं को पुरस्कृत करें
7. एक बुक क्लब में शामिल हों

Reading को जागृत करने की प्रक्रिया

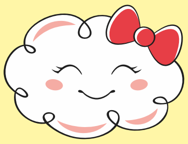

Practice

स्वयं के साथ वक्त बिताते हुए सकारात्मक सोच के साथ पढ़ें

Repeat

नियमित तरीके से पढ़ते रहें और पढ़ने की आदत को विकसित करें

Achieve

Reading की महत्ता को समझें एवं स्वयं का अन्तर्जागरण करें

उपरोक्त बिन्दुओं को समाविष्ट करते हुए अपने क्षेत्र में The Power शिल्पशाला का आयोजन अक्टूबर माह में अवश्य करें। इस शिल्पशाला में एक सामायिक का लक्ष्य अवश्य रखें।

करणीय कार्य
सितम्बर 2023

वक्त की तेज रफ्तार के साथ बीत रही जिंदगी के हर लम्हे को सार्थकता पूर्वक जीना एवं उसकी अमिट छाप छोड़ना ही सफलता का सबसे बड़ा राज है। पिछले दो वर्षों के पन्ने उलट रही थी तो एहसास हुआ कि हमारी बेटियों ने अपनी job, study, family, friends की जिम्मेदारियों को निभाते हुए कन्या मंडल के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी बखूबी निभाया है। आपकी हर report में, pictures में आपका अथक श्रम, आपकी लगन व संघ निष्ठा झलक रही थी।

कन्या मंडल का यह मंच प्राणवान, सशक्त एवं ऊर्जावान मंच है, जिसके झंडे तले आप गौरवशाली संस्कृति की संवाहक बनेगी। इसी आशा के साथ आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना।

करणीय कार्य - अक्टूबर 2023

करें व्यसन को इनकार बनाएं जीवन खुशहाल

हर माता-पिता अपने बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं कि उन्हें मौजूद प्रचुर अवसरों तक पहुंच मिले। ऐसे में अगर आज का युवा व्यसन के रास्ते पर आ जाता है तो माता-पिता के लिए यह चिंताजनक और कष्टदायक हो जाता है। आजकल जगह-जगह हुक्का बार, मद्यपान, सिगरेट एवं अन्य मादक द्रव्य आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं और देश का युवा वर्ग फैशन में आ नशे की गिरफ्त में फंसता जा रहा है। इस माह आप नाटिका द्वारा अपने क्षेत्र में 'करें व्यसन को इनकार बनाएं जीवन खुशहाल' विषय पर नाटिका प्रस्तुत करें और समाज को संदेश दे कि कैसे व्यसन की संगत में ना जा कर आज का युवा अपने जीवन को खुशहाल बना सकता है।

हमें नशे जैसी चीज को एक शौक के रूप में भी प्रयोग नहीं करना चाहिए। हमें जितना हो उससे दूर रहना चाहिए और अन्य युवाओं को जागरूक करना चाहिए कि हम सब को मिल नशे जैसी चीज को जड़ से उखाड़ फेंकना है।

अतः इस माह इस नाटिका के द्वारा समाज को व्यसन मुक्त बनाने का हर एक कन्या मंडल प्रयास करे।

अगस्त 2023 में कन्या मंडल हेतु दिए गए करणीय कार्य
बनाएं परिवार का वंश वृक्ष
में आशातीत प्रविष्टियां प्राप्त हुई।
कन्याओं ने इसमें श्रम लगाते हुए
अपनी कलात्मकाता एवं रचनात्मकता का परिचय दिया।

समस्त प्राप्त प्रविष्टियों में चयनित विजेता इस प्रकार हैं :-
प्रथम - धुबड़ी (आसाम)
द्वितीय - गदग (कर्नाटक)
तृतीय - जयपुर शहर (राजस्थान)
चतुर्थ - सिरसा (हरियाणा)
प्रोत्साहन पुरस्कार - चुरू (राजस्थान)

सभी कन्याओं के अथक परिश्रम को साधुवाद
एवं विजेताओं को बधाइयां।

निर्णायकद्वय श्रीमती रचना हिरण एवं श्रीमती संगीता बाफना का आभार।

19वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन में श्रेष्ठ कन्या शाखाओं का मूल्यांकन

कस्बा

प्रथम नोएडा

द्वितीय चुरू

तृतीय राजाजीनगर

प्रोत्साहन कांटाबांजी

शहर

प्रथम काठमांडू

द्वितीय साउथ हावड़ा

तृतीय पचपदरा

प्रोत्साहन बीदासर

प्रोत्साहन मध्य कोलकाता

नगर

प्रथम साउथ कोलकाता

प्रथम उत्तर हावड़ा

द्वितीय गंगाशहर

तृतीय बालोतरा

तृतीय उधना

प्रोत्साहन पाली

महानगर

प्रथम अहमदाबाद

प्रथम मुंबई

द्वितीय रायपुर

तृतीय सूरत

प्रोत्साहन हैदराबाद

समस्त विजेता शाखाओं को अभातेमम की ओर से हार्दिक बधाई

अभातेममं द्वारा वर्ष 2023 हेतु पुरस्कार की घोषणाएं

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

माननीय श्रीमती रेखा शर्मा
अध्यक्ष – राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार

श्राविका गौरव अलंकरण

श्रीमती भंवरी देवी भंसाली
सुजानगढ़ निवासी – मुंबई प्रवासी

प्रतिभा पुरस्कार

श्रीमती शुभा मेहता
न्यायाधीश – राजस्थान उच्च न्यायालय

श्रीमती जयश्री जैन, IAS
Deputy Secretary - छत्तीसगढ़ राज्य सरकार

Sheroes

A journey from Mass to Class

अपनी विद्वता, आत्मविश्वास, पुरुषार्थ और समय प्रबन्धन से जिन्होंने तेरापंथ समाज में ही नहीं वरन् पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है इन SHEROES ने, जिनसे आज संपूर्ण समाज प्रेरणा ले सकता है। मिलते हैं एक विशिष्ट प्रतिभा से जिन्होंने लीक से परे उपलब्धियां प्राप्त कर स्वयं का, समाज का और देश का नाम रोशन किया है।

YASHI DHARIWAL

Yashi Dhariwal is a post graduate in International Relations and is currently the Academic Lead in Legacy IAS wherein she is training civil service aspirants through video lectures and online session. She also prepares youtube content for the organisation. She is well versed with curating courses and programs for civil service preparation.

She was Marketing and Branding Manager in Surana Educational Institutions in middle of her blossoming career. She then served as Senior Faculty at Learning Space Pvt Ltd training UPSC aspirants. Before joining Legacy IAS, she also had tremendous experience at Academic Lead at uFaber Pvt Ltd.

She had immense experience in curating courses and programs for civil service preparation. She managed the team of trainers teaching the students. She developed the content for the study materials and was instrumental in ideating sales and marketing strategies for UPSC vertical.

She is author of International Relations for Civil Service Aspirants and the first edition published by Oakbridge Publications showed promising results and was prescribed by the Ministry of External Relations. It was well received by coaching institutes. Right now she is also working on the updated version of this book.

She had served as Political Officer in Chinese Consulate and had worked with various state governments and with several provinces in China. She co-ordinated with MEA Kolkata and MEA New Delhi on matters relating to the Consulate. She worked with several business chambers in India like CII, Assocham, ICC, Bharat Chambers of Commerce, Calcutta Chamber of Commerce, Merchant Chamber of Commerce to name a few.

At the start of her career, she served as Faculty and Head of HR in Vinson IAS wherein she was faculty of Polity, Geography, International Relations as well as social issues for preliminary and Mains examination.

She guided aspirants for their interview level and worked on the course curriculum for Polity, International Relations, Geography and current affairs.

She has tremendous skills in public speaking and has won numberous regional and national debating competitions as the President of the Public Speaking Society. She participated in Model United Nations and has presented papers in several seminars and conferences on public policy and international affairs in Jadavpur University of International Relations.

She has ample leadership skill and was shortlisted for seven week United States Climate Change Conference held in Pennsylvania. She has also participated in the national level inter-university Youth Parliament competition in 2011 organised by Ministry of Parliamentary affairs.

She was a board member and member of organising committee of SPIC MACAY (Society for the promotion of Indian Classical Music and Culture amongst Youth).

She is well-versed with English, Hindi and Bengali.

सुश्री ऋषिका भादानी

सुपुत्री : श्वेता मुकेश भादानी, तिरुप्पुर

सुश्री ऋषिका भादानी ने जुनियर स्पीच मेराथॉन में लगातार 12 घण्टे 45 मिनट स्पीच देकर रिकॉर्ड बनाया। यह रिकॉर्ड एलिट वर्ल्ड रिकार्डस्, एशियन रिकॉर्डस् अकादमी, तमिलियन बुक ऑफ रिकॉर्डस् ने सर्टिफाई किया है।

जैन स्कॉलर तृतीय बैच सम्पन्न

अभातेममं द्वारा संचालित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 'जैन स्कॉलर' के तृतीय बैच के उत्तीर्ण विद्यार्थी इस प्रकार हैं :-

- अरविन्द कुमार डोसी, अहमदाबाद
- शोभा डागा, बालोतरा
- विमला गोलेच्छा, बालोतरा
- अरुणा संचेती, बेंगलुरु
- मीना जैन, बेंगलुरु
- बिन्दु बोथरा, भुवनेश्वर
- मीना कोठारी, कोच्ची
- रंजू बैद, हैदराबाद
- प्रमोदिता बोथरा, जावद
- नीता सोनी, कांकरोली
- मीना दूगड़, कोलकाता
- स्नेहलता पुगलिया, कोलकाता
- सुनीता बैद, लाडनूं
- आशा गुन्देचा, मुंबई
- कमलेश रांका, मुंबई
- महेन्द्र सिंघवी, मुंबई
- पुष्पा मेहता, मुंबई
- सुधांशु जैन, मुंबई
- अमिता देरासरिया जैन, मैसुरु
- मीना बाफणा, नीमच
- राजुला मादरेचा, राजनगर
- चन्द्रपूर्वा पुगलिया, सैंथिया
- चन्द्रकला पुगलिया, सैंथिया
- सुनीता छाजेड़ सैंथिया
- ज्योत्सना पोखरणा, कांकरोली
- जिन्नी जैन, हांगकांग
- दिनेश कोठारी, दुबई

उपरोक्त जैन स्कॉलर का दीक्षान्त समारोह 'श्रुतोत्सव' परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में मुंबई में 6 अक्टूबर 2023 को समायोजित है। जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम की निदेशिका डॉ. मंजु नाहटा एवं सह-निदेशिका श्रीमती कनक बरमेचा के अथक श्रम को साधुवाद। श्रीमती सुषमा आंचलिया, श्रीमती वीरबाला छाजेड़, सुश्री रंजना गोठी, श्री विकास गर्ग एवं श्रीमती रंजू दूगड़ का भी विभिन्न विषयों के अध्यापन में विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है, तदर्थ साधुवाद।

इस योजना को आर्थिक मजबूती प्रदान कराने हेतु श्रीमान मदनजी-प्रकाशदेवी, श्रीमान महेन्द्रजी-कांतादेवी, श्री निर्मलजी-शर्मिलाजी तातेड़ परिवार (मुंबई-धानिन) का हार्दिक आभार।

काव्यामृतम् काव्यशाला

गत माह विविध प्रकार के विचारों सहित प्रविष्टियां प्राप्त हुई। आप सभी के विचारों का सम्मान करते हुए आपकी सृजन क्षमता को साधुवाद प्रेषित करते हैं।

'क्षमा... जो बीत गया उसे जाने देना' थीम पर चयनित कविता

क्रोध में थोड़ा थम जाना, गर हो खता तो झुक जाना।
जो बीत गया उसे जाने देना, बेवजह मत तूल देना।।
इंसान गलतियों का पुतला है, क्षमा वीरों का गहना है।
क्षमा ही श्रेष्ठ धर्म सदा, महावीर का यह कहना है।।
दिन में भरा जो नफरत सैलाब, कर देना उसको माफ
अंतर मन की गांठें खोल, सच्चे मन से कर देना माफ।।
प्रेम प्रार्थना और क्षमा से, मुक्ति का द्वार खुला।
अहंकार का नाश हुआ, चंड कौशिक का उद्धार हुआ।।
साम्य योगी समता वान, अनेकांत मार्ग दिखलाया।
जियो और जीने भी दो, वैमनस्य का राज्य मिटाया।।
मैत्री भार रहे परस्पर, कभी न ठेस पहुंचाना।
क्षमा के फूल खिला कर, जग को यूं मकहा देना।।
छोटा सा शब्द क्षमा, तन मन को पावन करता।
कषायों का शमन कर निर्मल करता मन का कोना।।
मिटे कटुता आपस की, ऐसा भाव जगा देना।
क्षमा पावन तीर्थ है, सिद्ध बुद्ध मुक्त हो जाना।।
अलौकिक है पर्व क्षमापना, जन्मों के पाप धो लेना।
वैर विरोध भुला कर, खमत खामणा कर लेना।।

पूनम तलेसरा, नाथद्वारा

आगामी माह 'थीम'

साहित्य : समाज का दर्पण

- काव्यामृतम् काव्यशाला फेसबुक ग्रुप पर आप स्वयं पोस्ट कर सकते हैं।
- चयनित कविता को अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।
- उपरोक्त थीम पर 20 अक्टूबर 2023 तक प्राप्त प्रविष्टियां ही मान्य होगी।
- कविता अधिकतम 16 पंक्तियों की ही मान्य होगी।

काव्यामृतम् काव्यशाला का फेसबुक ग्रुप है :-
www.facebook.com/groups/418110360344800/

नारीलोक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी?

अक्टूबर 2023

सन्दर्भ पुस्तक : 'शासन माता' द्वारा रचित 'गणं सरणं गच्छामि' (10, 11, 12, 13वां अध्याय)

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

1. 'तेरापंथ' इसी जैन धर्म की .... परिणति है।
2. अनुशासन इस धर्मसंघ का .... है।
3. लोकैषणा के मंच को छोड़कर इसने कुछ .... दृष्टियां दी।
4. अणुव्रत इस युग की .... है।
5. जो बहुचर्चित होता है उसका .... भी होता है।
6. ऐसे लोग, जो स्वभाव से ही धर्मसंघ की .... को सहन नहीं कर सकते।
7. यह तो समय, शक्ति एवं .... का अपव्यय है।
8. पैसा देकर प्रशंसा में लिखवाना और निन्दा को रोकना हमारी .... के खिलाफ है।
9. जो हमारा हो विरोध, हम उसे समझें ....
10. .... में कहीं आहट भी हो जाती है तो भूकम्प-सा आ जाता है।
11. चिंतन करो कि हमारे धर्मसंघ में .... है इसीलिए इसका विरोध होता है।
12. काका कालेलकर बहुत बड़े .... विचारक थे।
13. विनोबा भावे के छोटे भाई शिवाजी भावे अत्यंत .... एवं संत वृत्ति के व्यक्ति थे।
14. तेरापंथ धर्मसंघ .... और वृद्ध की सेवा में आदर्श रहा है।
15. तेरापंथ धर्मसंघ में आज तक सैकडों साधु- साध्वियों की .... सेवा हो चुकी है।
16. आचार्य भिक्षु ने .... को अतिरिक्त महत्व दिया।
17. समाज का हर व्यक्ति अपने- आप में एक .... है।
18. एक स्वर लाखों लोगों का .... बनें तो उसमें एक शक्ति पैदा होती है।
19. किसी भी संघ या संगठन की ताकत उसके .... अतीत में नहीं होती।
20. .... की छांव में रहने वाले लोग पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं।

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 अक्टूबर 2023

Google Form Link : https://forms.gle/4LccreL7uAYeWKt26

सितम्बर 2023 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. शोध	02. विरल	03. टीकाकार	04. बहुमुखी	05. असाधारण
06. वर्द्धमान	07. भरा	08. विशिष्ट	09. प्रेरणा	10. निराकरण
11. सजीव	12. समर्पण	13. गरिमा	14. निर्वाण	15. गौरवान्वित
16. प्रासाद	17. विकसित	18. असंयम	19. सूत्रपात	20. राष्ट्रीयता

सितम्बर 2023 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. सरिता बेंगवानी, अररिया कोर्ट
2. शशि बिनायकिया, कटक
3. नम्रता पितलिया, टी.दासरहल्ली
4. प्रमोदिता बोथरा, जावद
5. कोमल नाहर, निरमली
6. साधना हिंगड, आमेट
7. पायल जैन, चुरू
8. वनिता मुणोत, बोरावड़
9. माया देवी आंचलिया, सैंथिया
10. सपना बडाला, मुंबई

सभी विजेताओं को पुरस्कार भेजे जा चुके हैं। पुरस्कार प्राप्त नहीं होने पर सम्पर्क करें

श्रीमती मधु कटारिया मो. 99804 43204

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com

नारीलोक देखने हेतु
www.abtmm.org

www.facebook.com/abtmmjain/

https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय

रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com